

गोपनीय

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक, राजस्थान, जयपुर

क्रमांक: प()2020-21 / गोप्र / प्रमुवसं / 15

दिनांक 15-02-2021

निमित्त,

समस्त वनाधिकारीगण
राजस्थान

विषय: गोपनीय प्रतिवेदन समय पर प्रतिवेदक अधिकारी को प्रस्तुत करने के संबंध में।

महोदय,

प्रायः यह देखने में आया है कि प्रतिवेदित अधिकारी द्वारा समय पर सेवानिवृत होने वाले प्रतिवेदक अधिकारी / स्थानान्तरण पर जाने वाले अधिकारी को अपने स्वयं का गोपनीय प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत नहीं किये जाते अथवा स्वयं का स्थानान्तरण / सेवानिवृति से पूर्व अपना स्वयं का गोपनीय प्रतिवेदन प्रतिवेदक अधिकारी को समय पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए। गोपनीय प्रतिवेदन समय पर पूर्ण नहीं होने के कारण राज्य सरकार द्वारा जारी प्रतिवेदक अधिकारी / समीक्षक / स्वीकारोक्ता अधिकारी की टिप्पणी गोपनीय प्रतिवेदन पर अंकित नहीं हो पाती है। ऐसे प्रकरणों को राज्य सरकार द्वारा भी गम्भीरता से लिया जा रहा है।

कार्मिक (क-1 / गो.प्र.) विभाग का परिपत्र क्रमांक प.13 (51)का. / क-1 / गो.प्र. / 2008 दिनांक 9. 02.2021 की छाया प्रति संलग्न कर लेख है कि राज्य सरकार द्वारा गोपनीय प्रतिवेदनों के संबंध में पुनः निर्देश जारी किये गये हैं। उक्त परिपत्र की पूर्ण रूप से पालना सुनिश्चित की जावे। भविष्य में ऐसे किसी भी गोपनीय प्रतिवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा जिसमें प्रतिवेदक अधिकारी / समीक्षक / स्वीकारोक्ता अधिकारी की टिप्पणी अंकित नहीं करवाये जाने का उचित कारण अंकित नहीं होगा। आशा है कि समस्त अधिकारीगण गोपनीय प्रतिवेदनों को समय पर पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

संलग्न: उक्तानुसार।

भवदीय

श्रुति शर्मा

(श्रुति शर्मा)
प्रधान मुख्य वन संरक्षक(हॉफ)
राजस्थान जयपुर

क्रमांक: प()2020-21 / गोप्र / प्रमुवसं /

दिनांक

प्रतिलिपि उप वन संरक्षक, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग जयपुर को प्रेषित कर लेख है कि उक्त पत्र एवं परिपत्र को विभागीय बेबसाईट पर अपलोड करवाया जाना सुनिश्चित करें।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक(हॉफ)
राजस्थान जयपुर



152

राजस्थान सरकार
कार्मिक (क-1 / गो.प्र.) विभाग

क्रमांक प.13(51)का./क-1/गो.प्र./2008

जयपुर दिनांक - 9 FEB 2021

—: परिपत्र :—

राज्य सेवकों द्वारा प्रति वर्ष कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन भरे जाने का प्रावधान है। प्रतिवेदन भरे जाने से सम्बन्धित अनुदेश 2008 दिनांक 05.06.2008 जारी किया हुआ है लेकिन प्रतिवेदित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन भरने एवं प्रतिवेदक/समीक्षक/स्वीकारकर्ता अधिकारियों द्वारा पूर्ति/टिप्पणी करते समय कुछ खामियां पाई गई हैं। जिनको दृष्टिगत रखते हुये निम्न दिशा निर्देश जारी किये जाते हैं:—

1. प्रायः यह देखने में आया है कि प्रतिवेदित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा ऑफलाईन या ऑफलाईन कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदनों को निर्धारित समय पर नहीं भरा जाता है, विलम्ब से भरे हुए प्रतिवेदनों को बिना उचित कारण बताये स्वीकार नहीं किया जाए।
2. अधिकारी/कर्मचारी द्वारा ऑफलाईन या ऑफलाईन प्रतिवेदन पूर्ति हेतु निर्धारित चैनल अनुसार ही सम्बन्धित प्रतिवेदक अधिकारी को प्रस्तुत करें। सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीन विभाग में स्वीकृत पदों के कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदनों की पूर्ति हेतु चैनल निर्धारित किया जाना सुनिश्चित करें।
3. वो ऑफलाईन प्रतिवेदन जो प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा पूर्ति पश्चात निर्धारित चैनल अनुसार नहीं भिजवाया जाता है, उसे स्वीकार योग्य नहीं माना जाए।
4. प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा अपने अधीन कर्मचारियों/अधिकारियों को निर्धारित समय पर ऑफलाईन या ऑफलाईन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया जाए तथा प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो स्वयं के द्वारा अपने अधीन कार्यरत कर्मचारियों/अधिकारियों के ऑफलाईन प्रतिवेदन पूर्ति कर समीक्षक अधिकारी को अग्रिम कार्यवाही हेतु भिजवाना सुनिश्चित किया जाए।
5. इस विभाग के परिपत्र दिनांक 30.11.2012 द्वारा पांच वर्ष से अधिक पुराने प्रतिवेदनों के स्थान पर नो-रिपोर्ट प्रमाण पत्र जारी किये जाने का प्रावधान किया हुआ है, लेकिन प्रतिवेदन नहीं भरे जाने के प्रकरण का परीक्षण कर ठोस/उचित कारण होने पर ही नो-रिपोर्ट प्रमाण पत्र जारी किये जाने का निर्णय लिया जाए।

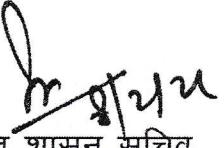
6. सेवानिवृत्ति के समय पिछले कई वर्षों के प्रतिवेदन बकाया होते हैं, राज्य सेवको द्वारा समय रहते ऑनलाईन या ऑफलाईन प्रतिवेदनों को पूर्ति हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को प्रस्तुत नहीं किया जाता है, और प्रतिवेदक/समीक्षक/स्वीकारकर्ता अधिकारी सेवानिवृत्त/पद त्याग चुके होते हैं, जिसके कारण प्रतिवेदन पूर्ति नहीं करवाये जा सकते हैं। अतः सम्बन्धित विभाग अधिकारी/कर्मचारी के सेवा में रहते हुए बकाया प्रतिवेदनों को पूर्ति करवाया जाना सुनिश्चित करें।
7. 5 वर्ष से अधिक पुरानी अवधि के ऑफलाईन प्रतिवेदन बिना यथोचित कारणों के स्वीकार नहीं किये जाए।
8. ऑफलाईन प्रतिवेदनों में प्रतिवेदक/समीक्षक/स्वीकारकर्ता अधिकारी टिप्पणी अंकित करने के पश्चात दिनांक तथा नाम पद एवं मोहर आवश्यक रूप से अंकित करें।
9. तीन माह से कम अवधि का ऑनलाईन या ऑफलाईन प्रतिवेदन भरने एवं पूर्ति करने की आवश्यकता नहीं है।
10. ऑनलाईन या ऑफलाईन प्रतिवेदनों में समीक्षक/स्वीकारकर्ता अधिकारी द्वारा ग्रेडिंग को डाउनग्रेड/अपग्रेड करते समय उचित कारण भी अंकित किया जाए।
11. ऑनलाईन या ऑफलाईन प्रतिवेदनों में प्रतिवेदक/समीक्षक/स्वीकारकर्ता अधिकारी द्वारा उत्कृष्ट ग्रेडिंग या असन्तोषप्रद ग्रेडिंग दिये जाने पर आधार स्वरूप स्पष्ट कारण का उल्लेख करें।
12. ऑनलाईन या ऑफलाईन प्रतिवेदन भरते समय प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा सभी कालमों की पूर्ति किया जाना आवश्यक है।
13. निलम्बित अधिकारी ऑनलाईन या ऑफलाईन कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदनों में टिप्पणी/पूर्ति करने हेतु सक्षम नहीं है।
14. अध्ययन अवकाश/आदेश की प्रतिक्षा/निलम्बित अवधि एवं अवकाश पर तीन माह से अधिक रहने पर उक्त अवधि का ऑनलाईन या ऑफलाईन प्रतिवेदन नहीं भरा जायेगा।
15. शिक्षा विभाग में पूर्व की भाँति ही निर्धारित प्रतिवेदन अवधि (01जुलाई से 30जून) अनुसार ही पूर्ति किया जाना है।

8/2/21

(हेमन्त कुमार गेरा)
प्रमुख शासन सचिव

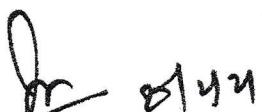
प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. प्रमुख सचिव, महामहिम राज्यपाल महोदय।
2. प्रमुख सचिव, माननीय मुख्यमंत्री महोदय।
3. उप सचिव, मुख्य सचिव महोदय।
4. समस्त अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव/संयुक्त शासन सचिव/उप शासन सचिव
5. समस्त विशिष्ट सहायक/निजी सचिव, मंत्री/राज्य मंत्री/संसदीय सचिव।
6. समस्त संभागीय आयुक्त।
7. समस्त विभागाध्यक्ष (जिला कलेक्टरों सहित)
8. प्रशासनिक सुधार (कोर्डिफिकेशन) विभाग अनुभाग - 7 कॉर्पियों सहित।
9. एनालिस्ट-कम-प्रोग्रामर, कार्मिक (कम्प्यूटर) विभाग।


संयुक्त शासन सचिव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को भी प्रेषित है:-

1. सचिव, राजस्थान विधान सभा, जयपुर।
2. सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर।
3. पंजीयक, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर।
4. अतिरिक्त पंजीयक, राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ, जयपुर।
5. सचिव, लोकायुक्त सचिवालय, जयपुर।
6. पंजीयक, राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय न्यायाधिकरण, जयपुर।
7. निबंधक, राजस्व मण्डल, अजमेर।
8. रक्षित पत्रावली।


संयुक्त शासन सचिव